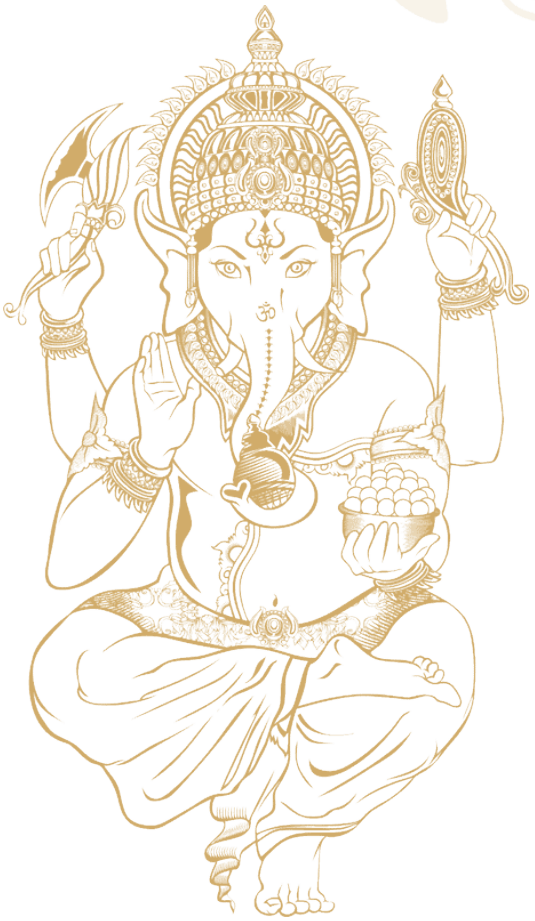

Apoorv Pankhudi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121706205

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
25-26/09/1994 :	जन्म तिथि	: 15/11/1994
रवि-सोमवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 03:10:00 :	जन्म समय	: 14:22:00 घंटे
घटी 53:04:45 :	जन्म समय(घटी)	: 19:50:12 घटी
India :	देश	: India
Lucknow :	स्थान	: Lucknow
26:50:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:50:00 उत्तर
80:54:00 पूर्व :	रेखांश	: 80:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:06:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:06:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:56:05 :	सूर्योदय	: 06:25:55
17:58:46 :	सूर्यास्त	: 17:15:55
23:47:13 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:47:18

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 5वर्ष 10मा 3दि	01:07:37	सिंह	लग्न	मीन	03:35:00	बुध 3वर्ष 4मा 11दि
गुरु	08:47:52	कन्या	सूर्य	तुला	28:58:25	सूर्य
30/07/2025	15:32:38	वृष	चंद्र	मीन	27:21:38	28/03/2025
30/07/2041	01:10:20	कर्क	मंगल	कर्क	27:06:57	29/03/2031
गुरु 17/09/2027	04:47:22	तुला	बुध	तुला	13:07:05	सूर्य 16/07/2025
शनि 30/03/2030	20:18:11	तुला	गुरु	वृश्चि	00:54:14	चन्द्र 14/01/2026
बुध 05/07/2032	19:05:38	तुला	शुक्र व	तुला	10:07:32	मंगल 22/05/2026
केतु 11/06/2033	13:28:15	कुंभ व	शनि	कुंभ	11:55:21	राहु 16/04/2027
शुक्र 10/02/2036	21:44:59	तुला	राहु	तुला	21:03:13	गुरु 02/02/2028
सूर्य 28/11/2036	21:44:59	मेष	केतु	मेष	21:03:13	शनि 14/01/2029
चन्द्र 30/03/2038	28:37:01	धनु व	हर्ष	धनु	29:25:06	बुध 20/11/2029
मंगल 06/03/2039	26:47:59	धनु व	नेप	धनु	27:18:27	केतु 28/03/2030
राहु 30/07/2041	02:12:32	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	03:58:33	शुक्र 29/03/2031

लग्न-चलित

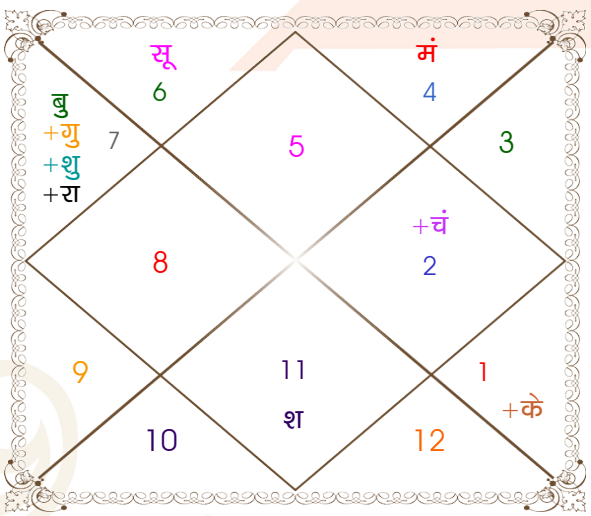

लग्न-चलित

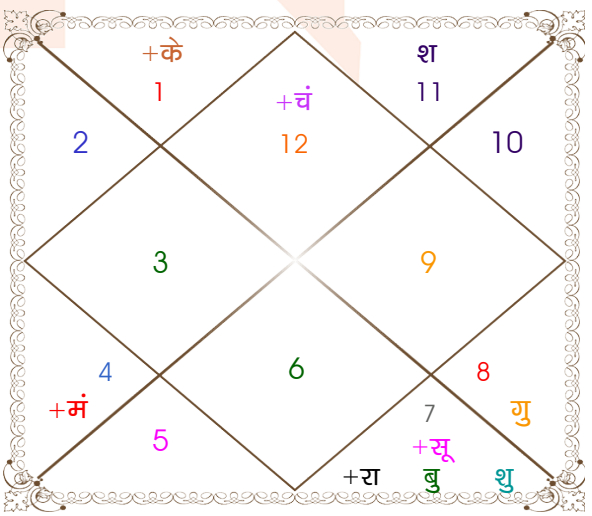

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ।चववतअ का नक्षत्र रोहिणी है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Pankhudi का नक्षत्र रेवती है।

।चववतअ का वर्ग मृग है तथा Pankhudi का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।चववतअ और Pankhudi का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

।चववतअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।चववतअ कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।चववतअ कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Pankhudi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।

अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Pankhudi कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।चववतअ तथा Pankhudi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।